राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

डॉ० राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल, ब्लॉक नं. 5, पंचम तल, कमरा नं. 601
जे.एल.एन. मार्ग, ओ.टी.एस. के पास, जयपुर–302017 E-mail:
primarypre@yahoo.com

क्रमांक : राजस्कूलशिप / पूर्व प्राथमिक शिक्षा / HPC / 2025–26 / As per RAJKAJ दिनांक As per RAJKAJ

Pre Primary Holistic Progress Card (HPC) 2025-26
ऑनलाईन प्रविष्टि दिशा–निर्देश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रारम्भिक स्तर पर बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की समझ पर बल दिया गया है। जिसमें प्राथमिक शिक्षा को एक मजबूत बुनियाद के रूप में स्वीकार किया गया है। राज्य के 962 महात्मा गांधी राजकीय (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालयों एवं 629 पीएमश्री विद्यालयों में संचालित पूर्व प्राथमिक सेक्शन / बाल वाटिकाओं के लिए Holistic Progress Card तैयार किया गया है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की अभिशंषाओं के क्रम में पूर्व प्राथमिक कक्षाओं में गतिविधि आधारित शिक्षण कराते हुए विद्यार्थियों का सतत् समग्र आकलन किया जायेगा जिसे निर्धारित अवधि पर योगात्मक आकलन के रूप में समग्र प्रगति प्रतिवेदन में दर्ज किया जाना है। समग्र प्रगति प्रतिवेदन विद्यार्थियों द्वारा शैक्षिक, सह–शैक्षिक, व्यक्तिगत और सामाजिक कौशलों से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता का प्रतिरूप होंगे।

उद्देश्य –

- विद्यार्थियों के सतत्, समग्र एवं व्यापक आकलन को परिलक्षित करना।
- विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति को अंकों के स्थान पर ग्रेड में दर्ज करना।
- विद्यार्थियों की प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग करना।
- विद्यार्थियों की शैक्षिक, सह–शैक्षिक, व्यक्तिगत एवं सामाजिक कौशल पर प्रगति को समेकित रूप से दर्ज करना।
- विद्यार्थियों के अधिगम अन्तराल को कम करने हेतु योजना तैयार कर क्रियान्वयन करना।
- FLN के उद्देश्यों की सम्प्राप्ति हेतु माध्यम तैयार करना।
- विकास के समस्त आयामों के कौशलों का आकलन करना।

HPC की विशेषताएं –

- विद्यार्थियों के समग्र मूल्यांकन का प्रतिफल है।
- विद्यार्थियों के 360^0 आयामों को सम्मिलित किया गया है।
- योगात्मक आकलनों में अधिगम उपलब्धि स्तर के लिए अंको के स्थान पर A, B अथवा C ग्रेड दर्ज करते हुए शैक्षिक प्रगति का आकलन किया गया है।
- विद्यार्थियों की निरन्तर प्रगति का आधार है।
- विद्यार्थियोंके साथ वर्ष पर्यन्त किए गए कार्यों का समग्र दर्पण है।

RajKaj Ref No.:
19198561
eSign DSC

ग्रेड का आधार –

ग्रेड A = स्वतंत्र रूप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समक्ष / दक्षता होना।

ग्रेड B = शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ / दक्षता होना।

ग्रेड C = शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या प्रारंभिक स्तर की समझ / दक्षता होना।

Holistic Progress Card तैयार करने हेतु शिक्षकों के लिए दिशा–निर्देश :–

Holistic Progre4ss Card शाला दर्पण पोर्टल के टैब – एवं Staff Login - में
परिणाम → परीक्षा परिणाम प्रविष्टियां → Summative Assessment (SA) Entry में प्रारंभ किया गया है, जिसको SA-1, SA-2, SA-3 की विद्यार्थिवार ऑनलाईन प्रविष्टि करते हुए पूर्ण किया जाना है। ऑनलाईन प्रविष्टि के उपरान्त सत्र के अंत में समग्र समेकित प्रतिवेदन (HPC) की प्रमाणित प्रति विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जानी है।

HPC पूर्ति चरण –

1- HPC का प्रारंभिक पृष्ठ –

- विद्यालय, ब्लॉक, जिला, विद्यार्थी से सम्बन्धित प्रविष्टियां की जानी है। साथ ही विद्यार्थी के एसआर नम्बर, रोल नम्बर, अपार आईडी को दर्ज किया जाना है।
- विद्यार्थी के शारीरिक विकास की प्रगति जैसे– लम्बाई, वजन (सत्रारंभ व सत्रांत में प्रविष्ठि की जानी है।), श्रवण क्षमता, दृष्टि एवं ब्लड ग्रुप की प्रविष्टि चिकित्सा विभाग से समन्वय एवं स्वास्थ्य परीक्षण में दर्ज किये गये डाटा के आधार पर की जानी है।
- मेरी अभिरूचि बॉक्स में विद्यार्थी के प्रिय खेल, गीत, फल, मिठाई आदि से सम्बन्धित प्रविष्टियां चर्चा करते हुए दर्ज की जाए।

2- विकास के आयाम (बिन्दु संख्या 1 से 7)

यह समग्र विकास के आयाम से संबन्धित है जिसमें कक्षा–कक्षीय गतिविधियों के अवलोकन के आधार पर प्रविष्टि की जानी है।

1. शारीरिक विकास
2. सामाजिक संवेगात्मक विकास
3. अच्छी आदतों का विकास
4. सीखने की सकारात्मक आदते
5. भाषा विकास
6. रचनात्मक विकास
7. बौद्धिक मानसिक विकास

बिन्दु संख्या 1 से 7 में सम्बन्धित सूचकों पर सत्र में तीन बार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय योगात्मक आकलनों की सहायता से उल्लेखित बिन्दुओं के सापेक्ष ग्रेड दर्ज किये जाने है।

RajKaj Ref No.:
19198561
eSign DSC

इन्हें विकास के आयाम अनुसार खण्डों में विभक्त किया गया है जो पूर्ण विद्यार्थियों की पाठ्यसहगामी क्रियाओं के आधार पर पूर्ण किए जाएंगे।

विकासात्मक आयाम के आकलन हेतु विभिन्न आकलन सूचकों में विभक्त किया गया है। जिनमें A/B/C के अनुसार ग्रेड दर्ज करनी है।

- बिन्दुवार सूचकों का इंद्राज SA-1, SA-2, SA-3 वर्ष में तीन बार योगात्मक आकलन किया जाना है।
- बिन्दुवार सूचकों के आकलन के समय A, B, C ग्रेड दर्ज किये जाने है। A, B, C ग्रेड का निर्धारण विद्यार्थी द्वारा वर्ष पर्यन्त किये जा रहे कार्यों एवं योगात्मक आकलन के आधार पर किया जाना है।
- बच्चों की प्रगति के संबंध में शिक्षक एवं अभिभावकों की टिप्पणी SA3 के बाद प्रिंट लेकर पृथक–पृथक की जानी है।

3- उपस्थिति विवरण HPC का चतुर्थ पृष्ठ – (बिन्दु संख्या 8)

उपस्थिति रजिस्टर के आधार पर माहवार विद्यार्थी की उपस्थिति दर्ज की जानी है। उपस्थिति में 70 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति–नियमित; 50 से 70 प्रतिशत तक उपस्थिति–मध्यम स्थिति; 50 प्रतिशत से कम उपस्थिति–अनियमित उपस्थिति होने पर संबंधित उपस्थिति के कॉलम में स्वतः गणना द्वारा विद्यार्थी की कुल प्रतिशत उपस्थिति प्रदर्शित हो जाएगी।

4- नियमितता एवं ठहराव पर टिप्पणी (बिन्दु संख्या 9) –

नियमितता एवं ठहराव में विद्यार्थी की शैक्षिक एवं सहशैक्षिक प्रगति पर समेकित टिप्पणी और फीडबैक विषयाध्यापकों के साथ समन्वय कर कक्षाध्यापक द्वारा दर्ज किया जाना है।

5- समेकित अकादमिक प्रगति प्रदर्शन (बिन्दु संख्या 10) –

विद्यार्थी के सत्र पर्यन्त किये गये क्रिया कलापों के प्रदर्शन एवं शैक्षिक सूचकों पर किये गये कार्य के अनुसार समग्र रूप से प्रगति प्रदर्शन हेतु स्टार दिये गये है इनमें 1/2/3 स्टार बिन्दु संख्या 1 से 7 में दर्ज ग्रेड के आधार पर स्वतः गणना द्वारा प्रदर्शित होंगे।

6- समस्त प्रविष्ठियां पूर्ण करने के उपरान्त पोर्टल से HPC प्रिंट निकालकर निर्धारित स्थान पर विद्यार्थी, अभिभावक, संस्थाप्रधान के हस्ताक्षर कराते हुए अभिलेख जारी किया जाए एवं विद्य ार्थियों की प्रगति फीडबैक सहित साझा की जाए। सत्र के दौरान SA-1, SA-2, SA-3 के उपरान्त विद्यार्थी की शैक्षिक प्रगति को भी अभिभावकों के साथ साझा किया जाना है।

7- PP1, PP2 एवं PP3 के विद्यार्थियों के साथ सत्रान्त में किये जाने वाले योगात्मक आकलन 3 के क्रियान्वयन हेतु महत्वपूर्ण कौशलों/दक्षताओं पर आधारित सैम्पल टूल सुझाव स्वरूप संलग्न है। जिन्हें दिये गये QR Code को गूगल स्कैनर से स्कैन करके प्राप्त किया जा सकता है। उक्त टूल को आधार बनाकर शिक्षक कक्षा स्तर अनुसार स्वयं भी अपने स्तर पर आकलन टूल तैयार कर सकते है।

Scan me!

RajKaj Ref No.:
19198561
eSign DSC

हमारे दायित्व –

❖ शिक्षक एवं कक्षा अध्यापक के दायित्व

- बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के निर्देशों के अनुसार शैक्षिक, सह–शैक्षिक गतिविधियों का नियोजन कर विद्यार्थी का नियमित सतत् समग्र आकलन एवं शिक्षण में सहयोग करना।
- विद्यार्थियों की उपस्थिति ऑनलाईन करना।
- समय–समय पर निर्देशानुसार HPC को पूर्ण करना।
- विद्यार्थियों की शैक्षिक एवं सहशैक्षिक प्रगति को अभिभावकों के साथ साझा करना।
- सत्र के उपरान्त विद्यार्थीयों का समग्र प्रतिवेदन अभिभावकों को उपलब्ध कराना।

❖ पीईईओ/यूसीईईओ/संस्था प्रधान के दायित्व

- विद्यार्थियों की उपस्थिति नियमित ऑनलाईन करवाना।
- निर्धारित समय पर कक्षाध्यापक, विषयाध्यापकों से समन्वय कर शैक्षिक प्रगति को दर्ज कराना एवं आवश्यकतानुसार शिक्षकों का आमुखीकरण करना।
- विद्यार्थियों की शैक्षिक एवं सहशैक्षिक प्रगति की ऑनलाईन प्रविष्टि कराना।
- न्यून शैक्षिक प्रगति वाले सूचकों पर चर्चा कर उन्नयन हेतु कार्य योजना बनवाना।
- समय–समय पर कक्षा–कक्ष, पोर्टफोलियो, कार्य पुस्तिका का अवलोकन एवं संबलन करना।
- शैक्षिक प्रगति की समीक्षा करना, अभिभावकों के साथ साझा करना।
- समग्र शिक्षा एवं पीएमश्री में अनुमोदित राशि अनुसार HPC का Glossy पेपर पर रंगीन प्रिंट का वितरण करना।

❖ ब्लॉक एवं जिला कार्यालय के दायित्व

- दिशा–निर्देशों की प्रत्येक विद्यालय तक पहुँच सुनिश्चित करना।
- विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति की SA-1, SA-2, SA-3 के पश्चात नियमित रूप से समीक्षा करना।
- विद्यार्थियों को HPC उपलब्ध कराने हेतु ऑनलाईन प्रविष्टि पूर्ण कराना, प्रिंट एवं वितरण की मॉनिटरिंग करना।
- समग्र शिक्षा एवं पीएमश्री में अनुमोदित राशि अनुसार HPC का Glossy पेपर पर रंगीन प्रिंट का वितरण सुनिश्चित कराना।

(अनुपमा जोरवाल)
राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त

RajKaj Ref No.:
19198561
eSign DSC

प्रतिलिपि : सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :–

1. निजी सचिव, शासन सचिव, राजस्कूलशिप, जयपुर।
2. निजी सचिव, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्कूलशिप, जयपुर।
3. निजी सचिव, निदेशक, प्राशि/माशि, राजस्थान, बीकानेर।
4. अति. राज्य परियोजना निदेशक–प्रथम/द्वितीय, राजस्कूलशिप, जयपुर।
5. निदेशक RSCERT , उदयपुर।
6. उपायुक्त शाला दर्पण, राजस्कूलशिप, जयपुर।
7. वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, NIC , राजस्कूलशिप, जयपुर।
8. प्रभारी अधिकारी, पूर्व प्राथमिक शिक्षा/बाल वाटिका, निदेशालय, बीकानेर।
9. मुख्या जिला शिक्षा अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, समस्त जिले।
10. प्रधानाचार्य–बाल वाटिका/पूर्व प्राथमिक शिक्षा, महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी माध्यम के विद्यालय/पीएमश्री विद्यालय।
11. रक्षित पत्रावली।

Signature Not Verified

Digitally Signed by Anupama Jorwal
Designation : State Project Director
Date :05-12-2025 07:16:25

RajKaj Ref No.: 19198561

eSign DSC